

काम-देवियों की चूत चुदाई-4

“दूसरे दिन ऑफिस की छुट्टी के कारण लीना को तो आना नहीं था, मैं सीधा साईट पर चला गया। फिर फुर्सत के समय में आकर ऑफिस खोल लिया। फिर लीना की चुदाई के लिए कोई युक्ति सोचने लगा। मुझे अब विश्वास हो गया की मेरा युक्ति कामयाब रही तो कल जरूर कुछ कर गुजरूंगा। आज [...] ...”

Story By: (ronisaluja)

Posted: Wednesday, August 14th, 2013

Categories: [ऑफिस सेक्स](#)

Online version: [काम-देवियों की चूत चुदाई-4](#)

काम-देवियों की चूत चुदाई-4

दूसरे दिन ऑफिस की छुट्टी के कारण लीना को तो आना नहीं था, मैं सीधा साईट पर चला गया। फिर फुर्सत के समय में आकर ऑफिस खोल लिया।

फिर लीना की चुदाई के लिए कोई युक्ति सोचने लगा। मुझे अब विश्वास हो गया की मेरा युक्ति कामयाब रही तो कल जरूर कुछ कर गुजरूँगा।

आज मैं अच्छे से तैयार होकर, खुशबू लगाकर ग्यारह बजे ऑफिस आ गया। अपनी युक्ति को सोचते हुए कंप्यूटर पर अपनी कहानी 'कली से फूल' का दूसरा भाग खोल लिया। उस कहानी को स्क्रीन पर खुला छोड़ दिया क्योंकि मेरे जाते ही वो कम्प्यूटर पर बैठ गेम वगैरह खेलती रहती है।

दस मिनट बाद लीना आ गई, गुलाबी साड़ी, उसके साथ बड़े गले का ब्लाउज़ में से उसके बूँस तो मानो निकलकर बाहर आने के लिए उतावले हो रहे थे। उसी रंग का हल्का सा लिपस्टिक, आई-ब्रो तराशी हुई, उसका निखरा हुआ रूप बड़ा लुभावना लग रहा था।

उसके आते ही मैंने पूछा- कैसा रहा आपका सालगिरह का प्रोग्राम ? क्या-क्या किया कल तुमने ?

तो बोली- हम लोग घूमने गए थे। बाहर ही खाना खाया और मजे करते रहे।

फिर बोली- आपने क्या-क्या किया, कल भाभी जी के जन्मदिन पर ?

मैंने कहा- कुछ मत पूछो लीना, वो जो ब्रा पैन्टी का सैट था। उसका तीन बार उतरना और पहनना ही होता रहा।

लीना- क्यों कोई नुक्स था क्या उस सैट में ?

शायद वो मेरे आशय को समझ नहीं पा रही थी ।

तो मैंने अर्थपूर्ण मुस्कराहट के साथ कहा- नहीं नुक्स सैट में नहीं था । नुक्स तो मुझ में था, क्योंकि जब आपकी भाभी ने पहन कर दिखाई तो उसका सेक्सी रूप देखकर मैंने ही उस सैट को अपने हाथों से उतार दिया था और फिर...

बात को अधूरी छोड़ दिया ।

लीना का चेहरा लाज से लाल हो गया !

मैं बोला- इसी तरह उन्होंने उसे तीन बार पहना था और मैंने उस सैट को कल तीन बार उतारा था ।

मुस्कराते हुए वो अपनी कुर्सी पर जाकर बैठ गई ।

मैंने कहा- आपका सैट कैसा रहा ?

बोली- बहुत अच्छा एकदम फिट आया । बड़ा आरामदायक भी है । मेरे वो तो बहुत तारीफ कर रहे थे उस सैट की ।

अपनी योजना के मुताबिक मैंने कंप्यूटर पर उस कहानी को खुला छोड़कर लीना से कहा- तुम आ गई हो, मुझे काम से जाना है । इतना कहकर बाइक उठाई और मैं चला गया ।

ठीक बीस मिनट बाद मैं वापस आया और ऑफिस से कुछ कदम पहले अपनी बाइक को रोककर लीना को फोन लगाया और कहा- ऑफिस के पीछे वाले कमरे में प्लॉट मापने वाला बड़ा टेप रखा है क्या ? अभी जरा देखकर बताओ मैं फोन होल्ड करता हूँ ।

तो वो बोली- ओ के !

यदि मैं ऐसा नहीं करता तो मुझे बाहर आया देखकर वो कंप्यूटर को स्विच ऑफ़ कर देती । मुझे यह पता ही नहीं चल पाता कि उसने कहानी पढ़ी या नहीं, तो मेरी सारी योजना चौपट हो जाता ।

वो पीछे के कमरे से आगे ऑफिस में आती । उसके पहले ही मैं ऑफिस में पहुँच गया तभी लीना भी ऑफिस में आई । मुझे देख उसके चेहरे पर हवाइयाँ सी उड़ने लगीं, जैसे उसकी कोई चोरी पकड़ी गई हो ।

मैं- टेप मिला क्या ?

लीना- न ..नहीं ।

वो कंप्यूटर तरफ जाती उसके पहले ही मैं वहाँ जाकर बैठ गया ।

मैंने कहा- पता नहीं लीना, तुम क्या करती रहती हो ? कोई सामान ठीक से नहीं रखती, अच्छे से खोजो ।

वो फिर अन्दर चली गई उसकी आँखें अजब सी नशीली लग रही थीं । मैंने कंप्यूटर चेक किया तो जो कहानी को आरम्भ से मैंने लगाया था उसकी जगह कहानी की अंतिम पंक्तियाँ दिख रही थीं ।

मैं समझ गया कि लीना कहानी पढ़ चुकी है और पढ़कर जरूर अन्तर्वासना से गर्म हो गई होगी ।

अब उस टेप की खोज शुरू हो गई, जो मेरी बाइक की डिक्की में हमेशा से रखा था । हम दोनों ही मिलकर उसे ढूँढ रहे थे । स्टोर-रूम कम रेस्ट-रूम का सारा सामान हम दोनों ने



उलट-पुलट कर दिया। सारा सामान साथ-साथ उठा कर देखते रहे।

मैंने कई बार अपने हाथ से उसके हाथों को छुआ। उसके स्तनों को भी कोहनी से रगड़ दिया। पलंग के नीचे जब वो ढूँढ रही थी तो मैं उसकी चिकनी पिंडलियों को बार-बार छू रहा था।

फिर मैंने कहा- ऊपर के सेल्फ पर देखो, शायद वहाँ हो ?

वो बोली- यह तो ऊँचाई पर है।

तो मैंने उसे कमर से पकड़ कर उठा दिया और कहा- लो अब देखो।

वो सेल्फ पर सामान उलट-पुलट करके खोजती रही। मैं उसकी कमर और पीठ पर अपनी गरम साँसों का प्रवाह करता रहा। एक दो बार मैंने अपने होंठ भी उसके पीठ से लगाए मुझे लगा जैसे 'स्स्स...' की आवाज उसके मुँह से निकली थी।

फिर वो बोली- यहाँ नहीं है। मुझे नीचे उतारो।

तो मैंने कहा- लीना मेरी इच्छा है कि तुम्हें यँ ही गोद में लिए रहूँ।

वो बोली- कोई आ जाएगा प्लीज़...

मैंने उसे नीचे उतार कर, ऑफिस का बाहरी कांच वाला दरवाजा अन्दर से लगा लिया। फिर ऑफिस के अन्दर वाले कमरे में आकर उसे बाहों में भर कर चूम लिया।

वो बोली- सर, यह क्या कर रहे हो ? ये गलत है, मुझे आपसे ऐसी उम्मीद नहीं थी।

मैं तो जानता था कि इतनी सेक्सी कहानी पढ़ने के बाद इसकी बुर से पानी निकल आया

होगा, चुदासी भी हो रही होगी और चुदेगी भी जरूर !

बस नारी सुलभ नखरे बता रही है, जो उसका हक है, अन्यथा अब तक आगबबूला हो रही होती। अपने शरीर पर इतनी रगड़ नहीं लगने देती।

मैंने पीछे से उसे बाहों के घेरे में लेते हुए कहा- तुमने जो कहानी पढ़ी है, वही मैंने तुम्हारे आने से पहले पढ़ रहा था। धोखे से खुला छोड़ गया था, जो शायद तुमने भी पढ़ ली है। मुझे बहुत बेचैनी हो रही है लीना ! प्लीज़, एक बार तुम्हें चूमना सहलाना चाहता हूँ।

बड़ी मुश्किल से वो सिर्फ चूमने सहलाने भर के लिए राजी हो गई। मैंने पीछे से उसके कमर पीठ उभरे नितम्बों को जिस तरह से सहलाया उससे वो सीत्कार कर उठी। अपने पिछवाड़े को मेरे लंड पर रगड़ने लगी।

अब तक मैंने उसका साड़ी का पल्लू गिराकर उसके स्तनों पर कब्जा कर लिया था। उन्हें पीछे से पकड़कर मसलने में अनुपम सुख मिलने लगा।

मेरे लंड की हालत बिगड़ने लगी। वो खड़ा होकर लीना के नितम्बों को मेरी कमर से दूर धकेल रहा था।

उसकी सिसकारी छूटने लगी- अस्सस्स... सर... ये... क्या कर रहे हो... प्लीज़ छोड़ दीजिए न सर...

कहानी जारी रहेगी।

Other stories you may be interested in

गाँव की कुसुम और उसकी आपबीती-3

मुकेश जी बोले- थोड़ा दर्द होगा ! बर्दाश्त कर लेना ! मुझे लोटा कर मेरे नितंब के नीचे दो तकिये लगा दिए उन्होंने, उस पर एक तौलिया बिछा दिया । मैंने आँख बंद कर ली उस पल के इंतज़ार में मैं दम साधे [...]

[Full Story >>>](#)

गाँव की कुसुम और उसकी आपबीती-2

मुकेश बोले- कुसुम, तुम मेरा ईमान खराब कर रही हो, तुमने मुझे नंगा देख लिया और मुझे भी तुमको देखना है । जब मैं नहाने गई तो अपना जिस्म देख कर शर्मा सी गई, मुकेश जी के बारे में सोचने लगी [...]

[Full Story >>>](#)

गाँव की कुसुम और उसकी आपबीती-1

एक लड़की जिसका नाम कुसुम केशरवानी था, अभी वो अमेरिका में रहती है, शादीशुदा है पर वो इलाहाबाद से करीब 30 किलोमीटर दूर एक गाँव की रहने वाली थी । वो अमेरिका कैसे पहुँची, क्या हुआ उसके साथ... मैं राहुल श्रीवास्तव [...]

[Full Story >>>](#)

ब्रिटेन में गोरी अप्सराओं की मस्त चुदाई-2

मेरी सेक्स स्टोरी के पहले भाग में आपने जाना कि मैंने कैसे ब्रिटेन में एक गोरी फ़िरंगी नैसी की चुदाई की । अब आगे.. सुबह उठकर मैं और नैसी ऑफिस गए, ऑफिस में नैसी के चेहरे पर साफ़ खुशी दिख रही [...]

[Full Story >>>](#)

सविता भाभी का साक्षात्कार

मित्रो, यह कहानी विश्व प्रसिद्ध सविता भाभी के रंगीन जीवन से जुड़ी हुई एक रोचक घटना पर आधारित है.. आनन्द लीजिएगा । एक दिन खाना खाते हुए सविता भाभी ने अपने पति अशोक से पूछा- क्या बात है अशोक, तुम कुछ [...]

[Full Story >>>](#)



Other sites in IPE

Savita Bhabhi Movie



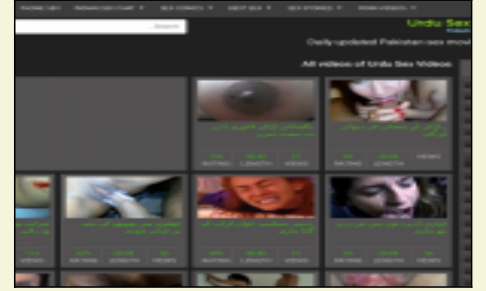
Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated movie. It takes us on a journey thru time, a lot of super hot sex scenes and Savita Bhabhi's mission to bring down a corrupt minister planning to put internet censorship on the people.

Velamma



Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven! Visit the website and check the first 3 episodes for free.

Urdu Sex Videos



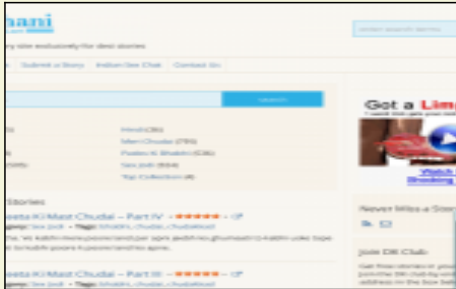
Daily updated Pakistani sex movies and sex videos.

Meri Sex Story



मैं हूँ मस्त कामिनी... मस्त मस्त कामिनी... मेरी सेक्स स्टोरी डॉट कॉम अत्यधिक तीव्र गति से लोकप्रिय होती जा रही है, मेरी सेक्स स्टोरी साईट उत्तेजक तथा रोमांचक कहानियों का खजाना है...

Desi Kahani



India's first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.

Tamil Kamaveri



சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்